Sanjay Kumar Gupta

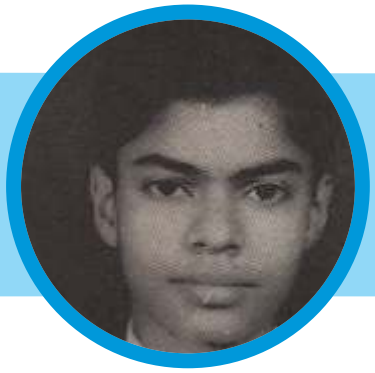

DOB 01 | 07 | 1954

8003260436

skgrailways@gmail.com

E16A Madhuban, Tonk Fatak,
Jaipur 302015

EX. C.M.D /SCR - Jaipur

Educational Profile
D.T.C.D. (S.M.S. -1984)

Hobbies
Hindi Poetry Writing, Singing, Reading Mythology, Gardening

Spouse
Arunima Gupta
DOB: 26 | 09 | 1959
7727068283
arunima.gpt@gmail.com

Son & Spouse
Rahul
Yash
Both citizens of Australia
(Adelaide and Melbourne)

Memories

मैं फ्रैक्चर हो जाने के डर से साईकल नहीं चलाता था। इस डर को डॉ वीरेंद्र ने दूर किया। डॉ प्रकाश और मैं नोट्स बनाना नहीं जानते थे। एक ही किताब को लेकर कॉपी में उतार लेते थे। डॉ बटवारा ने असल में नोट्स बनाने का तरीका बताया और हमारी बेबकूफियों पर खुद को सुधारने का मौका मिल गया।

कहानी मेरी पार्टी की
मुझे भी याद आ गया एक किस्सा उन दिनों का जब मैं 2 सेमेस्टर में था।पॉकेट में कम पैसे होते थे क्योंकि हम डे स्कोलर हुआ करते थे। वीरेंद्र, प्रकाश, नीलरतन अक्सर मुझे पार्टी देने के लिए छेड़ते थे। एक दिन वीरेंद्र और नीलरतन किरण कैफे में चाय पिलाने की जिद करने लगे और आखिर मेरे मना कर देने के बाबजूद वहां ले गए। मेरी जेब में थोड़े ही पैसे थे और मैंने सोचा चाय पिलाने और छोटे मोटे खर्चे से बात बन जायेगी। परंतु मुझे पसीना आ गया जब प्रकाश भी वहां आ गया और पकोड़े, क्रीमरोल, पेस्ट्री, गुलाबजामुन के ऑर्डर भी दे दिए गए और जब बिल मुझे थमाया गया तो मैंने साफ कहा कि भाई बात तो चाय की हुई थी ।

मैं जेब में रखे कुल 11 रूपए मेज पर रख वहां से खिसक गया और फिर बिल किस ने भरा आज तक मुझे पता नहीं चला पर इन दोस्तों ने फिर कभी भी भविष्य में मुझ से पार्टी नहीं मांगी।